

पुलिस कंट्रोल से एमजीबीएस तक होगा अबाध फुटपाथ

नुमाईश के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर



हैदराबाद, 18 नवंबर-(एफ एम सलीम) हैदराबाद मेट्रो रेल के प्रबंध-निदेशक एनवीएस रेड्डी ने कहा कि पुलिस कंट्रोल रूम, नामपल्ली से एमजीबीएस तक पाँच किलोमीटर की मेट्रो रेल लाइन की सड़क पर अबाध फुटपाथ का निर्माण किया जाएगा। साथ ही नुमाईश के लिए अतिरिक्त मेट्रो टिकट काउंटरों की स्थापना की जाएगी।

गौरतलब है कि मेट्रो ने इस हिस्से को ऐतिहासिक धरोहर की पहचान के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। इस पर अमलावरी के उद्देश्य से मेट्रो रेल की ओर से पुलिस कंट्रोल रूम से एमजीबीएस (5 किलोमीटर) तक फुटपाथों का निर्माण किया जाएगा। टाइल्स और रेलिंग को भी हेरिटेज का स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

एनवीएस रेड्डी ने आज मेट्रो अधिकारियों के साथ पंजागुट्टा, इर्म मंजिल, खैरताबाद, लकड़ी का पुल, असेंबली, नामपल्ली से गांधी भवन तक

का दौरा कर विभिन्न कार्यों की जाँच की। उन्होंने कहा कि स्टेशनों के पास पैदल चलने वालों, वरिष्ठ नागरिकों तथा दिव्यांगों के लिए फुटपाथ तथा रैंप की व्यवस्था की जाए। पंजागुट्टा से खैरताबाद तक फुटपाथों पर कब्जे देखकर उन्होंने इसे तत्काल हटाने पर जोर दिया।

एनवीएस रेड्डी ने बताया कि सभी आवश्यक स्थानों पर फुटपाथों के किनारे रेलिंग लगायी जाएगी, ताकि वाहन पुंटापाथ का उपयोग न करें।

एचएमआरएल के महाप्रबंधक बी.एन. राजेश्वर को निर्देश दिये गये कि खैरताबाद में एक ओर प्रवेश और एक ओर निकासी व्यवस्था के निर्माण से संबंधित लंबित मामले में अदालत की छुट्टियाँ के (शेष पृष्ठ 14 पर)

(पृष्ठ 13 का शेष)

पुलिस कंट्रोल...

बाद कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाएगा। इर्म मंजिल तथा असेंबली स्टेशन के पास फुटपाथ निर्माण के लिए सरकारी विभागों से बाधित भूमि अधिग्रहित करने के लिए कार्रवाई जारी है। एनवीएस रेड्डी ने कहा कि नामपल्ली रेलवे स्टेशन और मेट्रो स्टेशन के बीच यात्रियों की सुविधा तथा सामान आदि ले जाने के उद्देश्य से एयरपोर्ट जैसी सुविधाएँ स्थापित की जाएँगी और ई-वाहन तथा बस बे की उचित सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाएँगी। उन्होंने कहा कि गांधी भवन और नामपल्ली स्टेशनों के अलावा प्रदर्शनी मैदान में भी मेट्रो रेल के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटरों की स्थापना की जाएगी। इसके लिए एचएमआर, एलएण्ड टी हैदराबाद मेट्रो तथा प्रदर्शनी समिति के बीच समन्वय से 31 दिसंबर से पूर्व आवश्यक प्रबंध किये जाएँगे, ताकि स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ से बचा जा सके।